

1.536

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES



म. १३३
श्री १३३

[illegible]

ॐ ईं स नं ग न या य व ष ट ॥ ॐ ईं स ज्ञ का य रु ट ॥ ॐ ईं स क्रीं हू सा न
य उ ड्र व का य न म ॥ ॐ ईं सै र्यं ग वृ षा यं पूर्व व का य न म ॥ ॐ ईं स लं
श्रु वा ना य द खि न व का य न म ॥ ॐ ईं स र्वं वा मे ढ वा य उ न्न व का य न म
॥ ॐ ईं स र्लं स शी जा ना य य द्धि म व का य न म ॥ ॐ ईं स कि नी र वि श्रु य ना
य न व का य न म ॥ ऊ न या न वृ जा ॥ गं ग य न म ॥ ऊ म् ना य न म ॥ का र्थे नि न म
॥ गंध कि न म ॥ का स कि न म ॥ श्रु न स मू ढा य न म ॥ क्रि ल स मू ढा य न म ॥

श्रुवाहनादिः ॥ धनमूलादसयद् ॥ ॐ ईस श्रुमिनि स्वनायः विमलमहाद
वायः धिमलं नृणां नृदयवाद्याद ॥ कुरुमूलादसयद् ॥ ॐ ३ ॥ ॐ नृदनि
स्विगमयिनि नृददस्विननासीयुते नवामनासीयुते नवचयते ॥ ॐ नृवाना
यामि ॥ कुरुतिसुधि कानयत् ॥ ॐ ईस न्यास कानयत् ॥ त्रिगमूलादयत् ॥ ॐ
३ ॥ सर्वपातकनासात् वक्तुम् ॥ शुक्लमाननिदकः ॥ दाममसु
क धननि ॥ पातसं प्रति सं ॥ यां ॥ पातस्मनकनामृत् ॥ ॐ ई

स श्रुनि स्वनाय विमलमहाद वाय धिमलं नृणां नृदयवाद्याद
॥ १ ॥ जाय ॥ सर्वपातकनासात् वक्तुम् ॥ नृदयवाद्याद ॥ ॐ
दिनस्यैव विद्या ॥ सिवमादिगलेविलि ॥ उरुयोदकननासि ॥ श्रु
दिनस्यैव विद्या ॥ उययनसर्न ॥ न्यास ॐ ईस ॥ ॐ ईस सर्वपा
दवस्थानम ॥ ॐ ईस सर्वपातकनासात् वक्तुम् ॥ सर्वपातकनासात् वक्तुम् ॥
सर्वपातकनासात् वक्तुम् ॥ सर्वपातकनासात् वक्तुम् ॥ ॐ ईस सर्वपा

मायनम ॥ ह्रींस्वरिषीनकायनम ॥ अथात्रस्था ० द्वात्रिंशानम ॥ नमस्तु
 नन्दनयस्थानम ॥ ह्रींसिखाय ४५ मद्रुनवायनम ॥ विनामद्रुक्षान
 म ॥ यविनामद्रुक्षानम ॥ विधियविनामद्रुक्षानम ॥ मानामद्रुक्षान
 स्थानम ॥ यमानामद्रुक्षानम ॥ विधियमानामद्रुक्षानम ॥ ॐ ह्रीं यः
 वार्यधुनक ॥ ॥ १ तंगी यूय यूय ॥ वार्यकानयत् ॥ जाश्रुयय
 न ॥ कनखधनी ॥ ह्रींकनिककायनम ॥ ह्रींश्रुनामिकायसादा ॥ ह्रींमथ

मायवा वत् ॥ ज्ञां गुरुं शायकी ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ४
कुनर्जं गी शाय ॥ ज्ञां ददयाय नमः ॥ ज्ञां शिष्य सखा ॥ ज्ञां शिष्य सखा ॥
ज्ञां कव वायकी ॥ ज्ञां नेगुगयाय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥
श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥
य नमः ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥
ताय नमः ॥ नर्वय नमः ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥ ज्ञां श्रुतुं सुय वषत् ॥

^यनकर्मसुखाननिःसफासुनुधमात्रुर्धं गङ्गनाईनमामर्दं ॥
 शङ्कताविष्णुयुजा ॥ नासियइकीश्रमन्यायखादा ॥ कीविद्यान्यायखादा ॥ कीवि
 न्यायखादा ॥ न्यास ॥ कीश्रसुयकृत् ॥ कनसुधन ॥ कीकनिसुकायनम ॥ की
 श्रनामिकायखादा ॥ कीमधुमायवाषट् ॥ कीनर्क्यायई ॥ कीश्रसुयवषः
 ६ ॥ कीश्रसुयकृत् ॥ कीद्वदयायनम ॥ कीश्रिनसखादा ॥ कीशीवायवाषट् ॥
 कीकववायई ॥ कीनेतुनमायवाषट् ॥ कीश्रसुयकृत् ॥ जनया ॥ श्रयया ॥

श्रमयुजा ॥ श्रमयुजा ॥ गत्रुदासनायनम ॥ कीसमानानायनम ॥ निः
 श्रविद्याय ॥ श्रयिवल्लरायखादा ॥ निवईनम ॥ जाय ॥ गत्रु ॥ कुनमानानायनाय
 वामऊयसुनखनि ॥ केशवगिल श्रीसदादखिन ॥ यानोऊय गदासूर्य खनजिता
 नागविनादामनि ॥ वल्लऊनमादामन ॥ कृकवनलकायतिजिग ॥ खर्यविष्णुयदस
 नामसुदिता ॥ नानायनायात्रुव ॥ श्रिखिखिनवयूना ॥ कृकृगनामिदुनानायेनिः
 ननायीनियूनाजिनरिदुवन ॥ विष्णुसुर्वलवयू ॥ इवाश्रीमनिरुंगा ॥ वनवधना
 खि

मङ्गलदा रुने निर्यक ऊलसीनिषे कनिङ्गलामायादुदामादनी ॥ धनना नाय
नयका विधि ॥ १४ ॥ ॥ सदाशिवयुजनी ॥ नासिय ३ॐ ईस अम नवा यथा
दा ॥ ॐ ईस विद्या नवा यथादा ॥ ॐ ईस सिक नवा यथादा ॥ न्यास ॥ ॐ ईस अस्का यरु
न ॥ कनख धनी ॥ ॐ ईस कनि सुकाय नम ॥ ॐ ईस अनामि काय नम ॥ ॐ ई
सम अमाय वाषट ॥ ॐ ईस नङ्ग नायड ॥ ॐ ईस अङ्ग अस्काय वषट ॥ ॐ
ईस अस्काय रु ॥ कन अङ्ग नास ॥ ॐ ईस ददयाय नम ॥ ॐ ईस शि

नमः स्वाहा ॥ ॐ ईं सशि वायवा वट ॥ ॐ ईं स क वाय द्र ॥ ॐ ईं स न न न याय
व वट ॥ ॐ ईं स अ काय रुट ॥ ॐ स न ॥ वृषा याय नम ॥ ॐ ईं स दा शि वा
य नम ॥ ॐ ईं स स दा शि वाय नम ॥ अ धा न र्वा थ धा न र्वा अ धा न र्वा धा न नम
नयि व धा नम ॥ आ या ॥ ॐ ईं स स्वाहा ॥ गान ॥ शि वी शि व क ली सी की ॥ शि वा भा न
शि व नम ॥ शि व मा ज्ञ व न न न ॥ पु न मा मि स दा शि व ॥ म नू की व ल न र्वा नी ॥ य
वी का नि स न न न ॥ यी के का नि दु ली ग न नी ॥ न रु ली शि व द श न ॥ अ धा न या

आसत्रिकाय ३

लं सानन्दसून लयकसं रुजवां संपन्नकामप्रदं वागीश्वरवन्द्युवाच
वैप्रदं वामादिसकेश्वरं व्याधिश्च स्वविनायकसुखदा मिथुजयगादिमा ४
नमस्का ल ॥ विसृज नयाय ॥ सुखो य नानायनाय सदासिवाय शुद्धो नायः
मूर्ध्नि ज्ञेयाय स्वस्मानवाश्चरु वक्तु ॥ १२ नासिय ॥ ज्ञा ज्ञा ज्ञानं
यत्वाहा ॥ श्री गि या न्वा यत्वाहा ॥ श्री शिव न्वा यत्वाहा ॥ यानक काया व ॥
नमस्का न ॥ अखण्ड मण्डना कालं व्याफुर्जन चना चर्न ॥ तयर्न दसिर्न जने

[illegible]

शसन॥ मूसा सनाय याइ की॥ मयना सनाय याइ की॥ नना सनाय याइ की॥ य
ना सनाय याइ की॥ सिंहा सनाय याइ की॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥
की वलि गुरु कुरु स्वाहा॥ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥
स्वाहा॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥
देवाय याइ की वलि गुरु कुरु स्वाहा॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥
थर्गे नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥ ॐ श्रीं श्रीं कृष्णाय नमः॥

[illegible]

[illegible]

किं नवानन्दविनाधिपतययौ यादुकां ॥ न यौ ॥ आनन्दो किं नवान
दविनाधिपतय दसकमल ॥ वनयु ॥ माहाविना उवनी याद
कां ॥ ॐ श्री नमो सदा दै ॥ उग्रव ॥ वीरनमो दनी ॥ दं ॥
सदानु ॥ या माई सम ॥ सु ॥ दनयादकां ॥ वनि स ॥ ॐ ॐ सिद्धि क
नाली ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ नमो सादा ॥ वक्रायादि ॥ अयिता गदि ॥ अवि ॥
यनि ॥ अयिता ॥ माहा ॥ नवानय यादकां ॥ वनि स ॥ कै माहायनि ॥ नमो

तुया लुया यु वलि ग्ट द्र २ स्वाहा ॥ वै क्रीं श्रीं कनयु वट कनाथ यवलि ग्ट द्र २ स्वाहा ॥
ह्रीं श्रीं श्रीं श्रीं कलगा ॥ सनाय वलि ग्ट द्र २ स्वाहा ॥ श्रीं माहा कनविन स्म ५५ नाधि यर
यवलि ग्ट द्र २ स्वाहा ॥ दस सैं खरु सिद्धि वाम् ॥ यवलि ग्ट द्र २ स्वाहा ॥ आ कासवान नि
दन्वी वलि ग्ट द्र २ स्वाहा ॥ वसव सा कूर्ग सा ॥ सव सा विष्णु व सा ॥ सव सा ॥ ॐ वृद्ध व
ग सा ॥ ॐ माम्यु जी वलि ग्ट द्र २ स्वाहा ॥ आ वाद नादि व ॥ पुना कुरु य वी नम ॥ जानि
मडाद श्रु य ॥ नि व श नम ॥ जाय ॥ ॐ कुरु व स्वाहा ॥ श्री स्वाहा ॥ श्री स्वाहा ॥ वै क्रीं ॥

सौ स्वाहा ॥ श्री स्वाहा ॥ इ ग्ज व ॥ आ ॥ श्री स्वाहा ॥ कालिया ॥ श्री क्रीं श्रीं स्वाहा ॥ मल
या ॥ दकान ॥ सकान ॥ शुक्र नि शुद्ध शु ॥ कि थ ॥ ग्ट दाना ना कूर्ग ॥ य ॥ सिद्धि कुरु वटु म
द वी ॥ गाय सा दा द यि कृ ति ॥ म ॥ पुन द य क ॥ ग ॥ न र्य न ॥ यि नि थ ता आ दि ॥ नम
॥ ना था य नम ॥ नम श्री सिद्धि ना था य नम ॥ नम श्री कुरु सि ना था य नम ॥ नम
॥ म ॥ पुन वी ड खान चू य ॥ न कान क ॥ अ म्भ य व ॥ वलि ॥ था य ॥ सी दान मू दान
सु क सा वि था य ॥ नि र्य क म्भ सै यून सा वि स सा य नम ॥

१ॐ नमोः कृद्वि काये ॥ अथानाद्वैतकाः वज्रयमिमिता रुदनिश्ववनाका
कृत्वाः शानसका यूननयियदयाः कसवर्जति नूड। शक्ता विन्दुवनाद य
नमोः शिवयदे साधनयुयनिना सामंशी कृद्वि का म्वा रुव रुय स नदा रुकि
दामुकि दाव ॥ १ ॥ सक्क कं दन्द सुसा यनम यद गताः वाम वा म्वा वसु यः
काली या को शि वान् विलस निरुत नैः निनयाने क ता दे साका दानन्द
सीक वज्रति नवगनु यागिनाथानमाशा सामंशी कृद्वि का म्वा रुव रुय

वलदा रुकि दामुकि दाव ॥ २ ॥ यासां कालयिर्मायनकलसदिताः नाऊर
मथुगुरुः शीमञ्जो लाधनाकृ युकादिननिनय दनिना ववका ना वामंशी
यवयिले मदनकलयनय रिता कामनया सामंशी कृद्वि का म्वा रुव
उष्टे वनदा रुकि गमुकि दाव ॥ ३ ॥ शीमञ्जो लीवडाई कि क सिन विम
ले शीमदा कालगद वामसंमु नियेम्मा नरि सुष विमनसं रुननय
ययना निशानदा रिता वायुद सिन वदना आसिगाह सिद्धता सामंशी

235515

1536



२० श्री ॥ प्रपूज्य श्री ॥ भवनमी ॥ १॥

१ॐ श्री ह्रीं क्लृं क्लृं नमः पिबित्वा विमियादका ॥ ४॥

ॐ श्री ॥ क्लृं क्लृं नित्यावन क्लृं क्लृं क्लृं



कुडि का म्भारु वरु सुवन दारु कि दा मु कि दा व ॥ ५ ॥ वरु सुवन नि क्रिया
 र्शा नि वि ध ग नि यु तो य क ना नि य का ना सि द्धा सि द्धा व न र्तिः प न क
 ल स दि ता व द्वा ग वः य को नः व दि द्वा आ गि नि र्ति उ न ल क स द्वा य
 कि ता वि न च के सामं शी कु डि का म्भारु वरु सुवन दारु कि दा मु कि दा व
 ॥ ६ ॥ ग द्वा ना ग द व य र्शा र व नि नि य मि ता रु कि दा दि द्वा धः पु र्ण क्री चा
 य ना र्क य शु ग नू ग न के य के न जी ग नि डी रु नि श्या र्ण क वि र्ण ख लू न ग

जिदि वयि उसिद्धि प्रसिद्धि सामंशु कुवि काम्वा रुवतु वनदा रुकि दामुकि
दाव ॥ ७ ॥ नुकाया रु सुवध्यदि मसशिध वना र्वातिके वीरि कुव रु मय
यितव रु सुनिके कन निरा यायुना र्थ प्रय रु धुमादेवो लना थिनी
जशु रु कविना मान रु सुवर्मा सामंशु कुवि काम्वा रुवतु वनदा
रुकि दामुकि दाव ॥ १ ॥ वाक्की नी दिष गस्यो दि दसे रुय रु नी वी सु विस्र
प्रसिद्धा सिद्धा इति वना दि सुन लि यू म धनी नि रु वं ग व ल भूमी जाका

सानक नृयायुहसितनमदाश्ववियज्युसावा सामंशी कुडिका म्भारवदु
सुवलदा रुकि दामुकि दाव ॥ ८ ॥ एतिशी कुडिका अष्टक समाक ४ ॥

१ नता सुर्ज युजा ॥ नोसिय र्जा अ म न ला य स्वा दा ॥ जा वि श्या न
वा य स्वा दा ॥ जा णि व न ला य स्वा दा ॥ शु न न म स्वा न अ र व
उ म द न का ल या दि ॥ ये न म शु न र्था न म ॥ य न मा वा र्ज शु न
र्या न म ॥ यु व सि डि शु न र्था न म ॥ अ दि सि डि शु न र्था न म ॥
या स ॥ जा शु स्मा ये न म ॥ जा क नि ष्ट का ये न म ॥ जा अ ना मि
का ये न म ॥ जा म थ मा ये न म ॥ जा न क या ये न म ॥ जा अ शु का

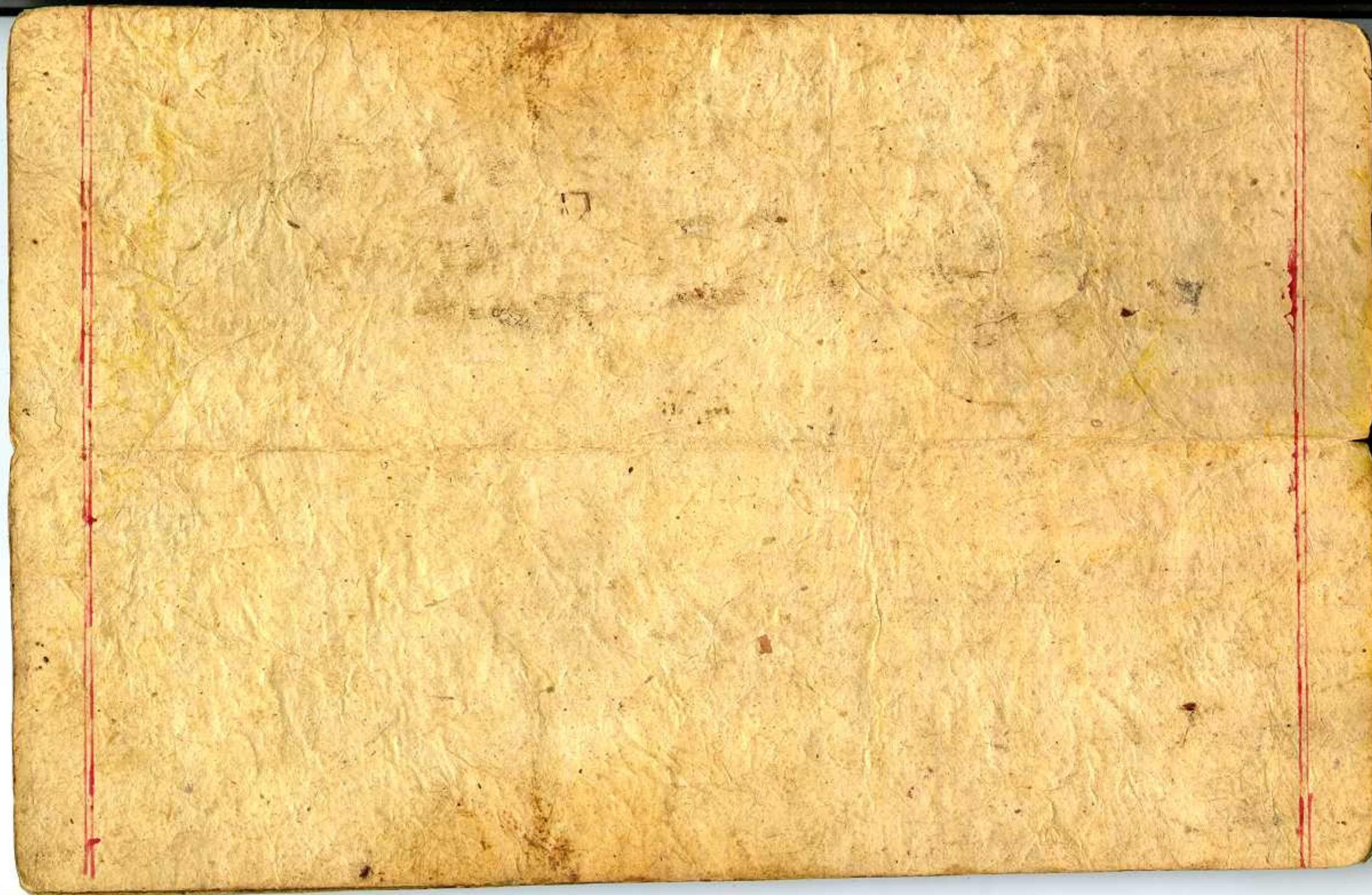
यनम ॥ ॐ अस्त्रायनम ॥ ॐ हृदयायनम ॥ ॐ शिवायनम ॥ ॐ
 शिवायनम ॥ ॐ कवचायनम ॥ ॐ मन्त्रायनम ॥ ॐ अस्त्राय
 नम ॥ ॐ नयानयनम ॥ ॐ शम्भुयनम ॥ ॐ मुनायनम ॥ ॐ का
 वचिनम ॥ ॐ शक्तिनम ॥ ॐ सक्तिनम ॥ ॐ कान्तसमूदायनम ॥ ॐ
 क्रिन्समूदायनम ॥ ॐ वज्रनाकनयनम ॥ ॐ धनूषमूदायनम ॥ ॐ
 लखनम ॥ ॐ ॐ अस्त्रायनम ॥ ॐ वज्रनयनम ॥ ॐ शम्भुनायनम ॥ ॐ अस्त्राय

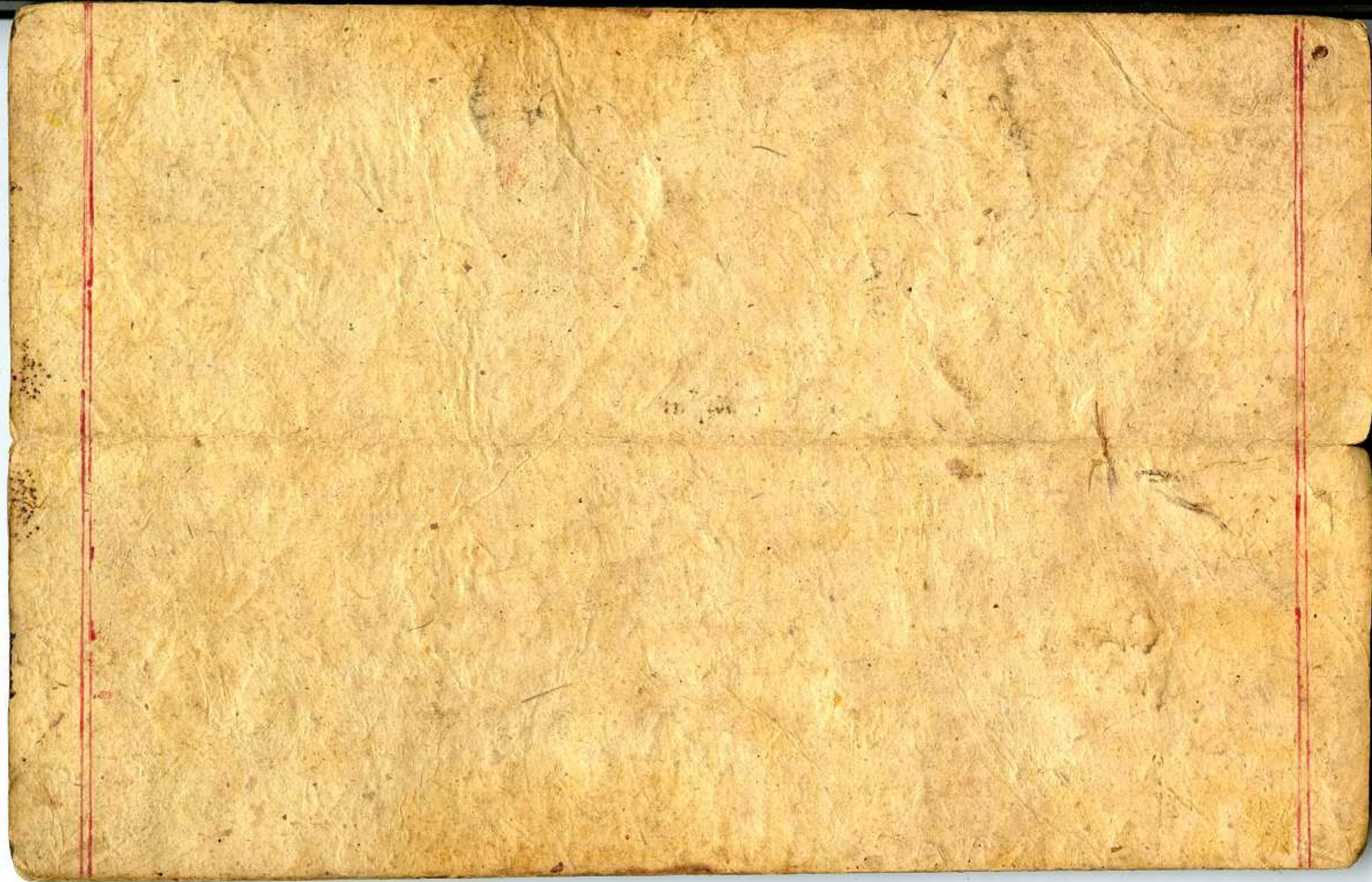
नमः ॥ अथ वाङ्मनस ॥ पूजुर्न ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति
 काय नमः ॥ नमः ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥
 मङ्गलार्थं नमः ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥
 मांशुर्न ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥
 १ विष्णुर्न ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥
 ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥ ॐ ह्रीं स्वस्ति ॥

निर्लंककनसंनिखेकलिङ्गमायाबुद्धामुदन॥ नमस्का नष्टा
सदाशिवयुजा नासियः ॐ ईं स आत्मनवाय स्वाहा ॥ ॐ ईं स वि
द्या नवाय स्वाहा ॥ ॐ ईं स शिव नवाय स्वाहा ॥ आस ॥ ॐ ईं स अ
स्तु य नमः ॥ ॐ ईं स कनिष्ठकाय नमः ॥ ॐ ईं स अनामिकाय नमः ॥
ॐ ईं स मध्यमाय नमः ॥ ॐ ईं स तृतीयाय नमः ॥ ॐ ईं स अक्षु काय
नमः ॥ ॐ ईं स अस्त्राय नमः ॥ ॐ ईं स हृदयाय नमः ॥ ॐ ईं स शि

नसे स्वाहा ॥ ॐ ईं स सिखाय नमः ॥ ॐ ईं स कवचाय नमः ॥ ॐ ईं स न
वाय नमः ॥ ॐ ईं स अस्त्राय नमः ॥ कलयात्रयुजा ॥ आत्मयुजा ॥
आसन ॥ वृखासनाय नमः ॥ त्रियांके लिङ्ग ॐ ईं स सदाशिवाय न
मः ॥ नैवेद्य नमः ॥ आय ॥ ॐ ईं स स्वाहा ॥ नमः ॥ सिर्वं शिव कर्त्तृ सा
र्क शिवा माना शिव नमः ॥ शिवाय नमः ॥ नमः ॥ यक्षमा मि सदाशिव
मन्त्रका वलनवा नी गवी कारि स नै नरि यै कै कारि पुन गाना

सद्गुणवाय. ज्योत्स्नाय. मृत्पुत्राय. स्वस्मिन् वाञ्छवर्द्धनः ॥









此乃本行所出之票
 凡有持此票者
 均可向本行
 領取利息

